मूल्य 1 रु. वर्षः 11 - अंक : 42, मुंबई, बुधवार, 24 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

होली पर Special Discount Valid on 27, 28, 29 March
गुंजिया (शुद्ध घी की) ₹ 600/- 560/- Kg.
खमण ₹ 320/- 240/- Kg.
भाकरवड़ी ₹ 340/- 200/- Kg.
होली स्पेशल गिफ्ट हेम्पर व गुरूजी की ठण्डाई मिलेगी
MM MITHAIWALA Malad (W) Tel: 2889 9501 / 98208 99501

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 30 अप्रैल तक बढ़ाया गया

दूसरे राज्यों से दिल्ली जाने पर करानी होगी कोरोना जांच

मुंबई। दुनियाभर में लगातार बढ़ते कोरोना केसों के मद्देनजर केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगा प्रतिबंध 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। इससे पहले भी केवल वंदे भारत मिशन के तहत चलने वाली स्पेशल इंटरनेशनल फ्लाइट्स की ही इजाजत थी। इनके अलावा मेडिकल और कार्गो फ्लाइट्स भी ऑपरेट की जा रही थीं। इधर, दिल्ली सरकार ने सभी हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अंतरराज्यीय बस टर्मिनलों पर अन्य राज्यों से आने वाले यात्रियों की रैंडम टेस्टिंग (आरएटी / आरटी-पीसीआर) अनिवार्य कर दी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

यूपी के श्रम राज्यमंत्री ठाकुर रघुराज सिंह के हाथों दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान जी को दिल्ली में नेशनल ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से...

आवार्ड देकर किया गया सम्मानित

(समाचार व चित्रमय छलकियां पृष्ठ 4-5 और 6 पर)

महाराष्ट्र पुलिस में बड़ा फेरबदल

राज्य सरकार ने मुंबई क्राइम ब्रांच के...

65 पुलिसकर्मियों का किया तबादला

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ट्रांसफर रैकेट के आरोपों से घिरी है। इस बीच मंगलवार रात को इसमें एक नया विवाद पैदा हो गया। मुंबई पुलिस इतिहास में शायद पहली बार ऐसा हुआ होगा कि मुंबई क्राइम ब्रांच को पूरी तरह से साफ कर दिया गया है। नए पुलिस कमिश्नर ने एक दिन में 80 से ज्यादा पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर किए हैं। इनमें 65 क्राइम ब्रांच के हैं। लगभग सभी क्राइम ब्रांच यूनिट्स के सीनियर इंस्पेक्टर का ट्रांसफर कर दिया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

उद्धव ठाकरे और अनिल देशमुख की बैठक के बाद फैसला

17 मार्च को मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह का हुआ था तबादला

मनसुख हिरेन की हत्या में वाजे प्रमुख आरोपी, उसकी हिरासत मांगेंगे: एटीएस प्रमुख

महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने मंगलवार को कहा कि निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे कारोबारी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में प्रमुख आरोपी है और उसकी हिरासत मांगने के लिए यहां एनआईए अदालत से संपर्क किया जाएगा। एटीएस प्रमुख जयजीत सिंह ने यहां कहा कि मामले में और भी लोग गिरफ्तार किए जा सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक साल बाद

पिछले साल इन्हीं दिनों जिस लॉकडाउन की शुरूआत हुई थी, उससे हम आज तक आजाद नहीं हुए हैं। भूलना कठिन है, संपूर्ण लॉकडाउन की अवधि चार बार बढ़ाई गई थी और उसके बाद से अब तक अनलॉक होने का सिलसिला चल रहा है। फिलहाल देश अनलॉक 10 से गुजर रहा है, मगर देश के करीब एक तिहाई हिस्से में फिर से लॉकडाउन का खतरा मंडरा रहा है। चिंता कायम है, सिर्फ यह महारोग ही मुसीबत नहीं है, उसके साथ समस्याओं का पूरा गिरोह सा चल रहा है। एक लाख साठ हजार से ज्यादा लोगों की मौत कोरोना से हुई है, लेकिन उससे कई गुना ज्यादा लोग अपनी माली हालत से बेहाल हुए हैं। कोरोना से हानि के अनेक आंकड़े सामने आते रहते हैं और दिल केवल यही चाहता है कि जल्द से जल्द इससे मुक्ति मिले और इस चाह में लॉकडाउन से मुक्ति भी शामिल है। यह बहस तो अनंतकाल तक जारी रहेगी कि कोरोना ने ज्यादा नुकसान पहुंचाया या लॉकडाउन ने? यह बहस भी हमेशा रहेगी कि क्या लॉकडाउन ही बचाव का एकमात्र विकल्प था? इसी दुनिया में ताइवान जैसे देश भी हैं, जहां एक दिन भी लॉकडाउन नहीं लगा और बीमारी को भी पांव पसारने नहीं दिया गया। ताइवान का अध्ययन और अनुभव हमारे लिए उपयोगी हो सकता है। ऐसे तमाम देशों से हमें युद्ध स्तर पर सीखना चाहिए, जो बगैर लॉकडाउन के महामारी से लड़ गए। विशाल आबादी वाले भारत जैसे देश को यह सोचना और परखना होगा कि ऐसी संक्रामक बीमारियों की स्थिति में क्या हमारे पास लॉकडाउन ही एकमात्र विकल्प है? क्या हम अपना काम करते हुए, सामान्य जीवन जीते हुए किसी महामारी से नहीं लड़ सकते? यहां यह विवेचना भी महत्वपूर्ण है कि लॉकडाउन का हमने कितना आदर किया है? लॉकडाउन तोड़ने वाले कितने लोगों को जेल भेजा गया? हमारी स्वच्छंदता और तंत्र की उदारता कई बार विचलित कर देती है। लॉकडाउन ने जहां समाज के धैर्य की परीक्षा ली है, वहीं कोरोना ने हमें नई जीवनशैली के बारे में सोचने पर विवश किया है। शारीरिक दूरी बरतना एक स्वभाव है। पर चौराहे से धर्मस्थल तक परस्पर शारीरिक दूरी बनाए रखना क्या हमारे लिए संभव है? क्या हम यह बात समझ पाए हैं कि भीड़ में न सुरक्षा संभव है, न भक्ति और न स्वस्थ सभ्यता? इस महामारी के बाद हमारे शिक्षा पाठ्यक्रम में एक अलग अध्याय जोड़कर नागरिक शास्त्र पढ़ाने की जरूरत बहुत बढ़ गई है। विशेषज्ञ अभी यह नहीं बता पा रहे कि कोरोना कब जाएगा, तो यह बताना भी संभव नहीं कि लॉकडाउन की आशंका कब खत्म होगी, अतः आगे हमारी सुरक्षा का एक ही रास्ता है, हम खुद को और अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जीना सिखाएं। कोई शक नहीं, कोरोना ने हमारी चिंताओं को जितना बढ़ाया है, उससे कहीं ज्यादा चिंताएं लॉकडाउन की वजह से पैदा हुई हैं। आने वाले दिनों में समाज को ऐसी तैयारी करनी और दिखानी पड़ेगी, ताकि वह सरकार से कह सके कि बिना लॉकडाउन भी हम महामारियों से लड़ सकते हैं। वैसे समाजों, क्षेत्रों को पुरस्कृत-प्रोत्साहित करना भी जरूरी है, जिन्होंने लॉकडाउन और स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों की बेहतर पालना की है। उससे भी जरूरी है, उन विभागों, समूहों और लोगों का सम्मान, जो लॉकडाउन के समय समाज-देश के काम आए।

हिंदू का खत्म होता अच्छापन

उफ! कैसी यह हिंदूशाही?-1 : याद करें और खंगालें इतिहास को कि हिंदुओं के दिल्ली तख्त पर कब ऐसा डरा, असुरक्षित राजा हुआ, जिसने 21 साला एक लड़की से राजद्रोह का खतरा बूझा, उसे जेल में डाला? कौन ऐसा राजा था, जिसने किसी अभिनेत्री-नर्तकी को मजा चखाने के लिए शहर कोतवाल से छापा डलवा उस पर टैक्स चोर का आरोप चस्पां कराया? कौन ऐसा राजा हुआ, जिसकी टुच्ची हरकतों से शह पाते-पाते पुलिसियों में हिम्मत बनी जो गैंग बना राष्ट्र धनपति जगत सेठ (जैसे आज के अंबानी) पर रंगदारी का जाल बनाना चाहा? कौन ऐसा राजा हुआ, जिसने महामारी के वक्त में लंगर खोला, दवा की पुड़िया बांटी तो इस नगाड़े के साथ कि सब राजाधिराज की कृपा से और बोलो राजाधिराज की जय! इतिहास में कौन ऐसा राजा था, जिसने महामारी को अवसर बनाया? दिल्ली तख्त के हिंदू इतिहास से भी आगे बढ़ें और अंग्रेजों, मुगलों के राज, महा आततायी औरंगजेब के इतिहास के पन्नों को खंगालें तो क्या कभी कहीं ऐसा प्रसंग पढ़ने को मिला कि मंदिरों को नष्ट करने की दास्तां के साथ किसी गुरूकुल में किसी हिंदू गुरू कुलपति की बादशाह ने नौकरी भी खत्म कराई!

मतलब औरंगजेब का फरमान हुआ कि फलां हिंदू शिक्षक बहुत सोचता-बोलता-पढ़ाता है उससे खतरा है और उसको नौकरी से निकालो। बुलाओ उस मालकिन को और निकलवाओ संपादक को! बुलाओ उस गुरूकुल मालिक को और निकलवाओ उस कुलपति को! क्या अंग्रेज, मुगल, औरगंजेब राज में ऐसे प्रसंग हैं, जिनमें वे प्रवृत्तियां साक्ष्य लिए हुए हों जो इस सदी में सन- 2014 के बाद दिल्ली में बनी हिंदूशाही के 56 इंची मोदी राज की पहचान में वैश्विक चर्चा लिए हुए है! हां, हर समझदार, हर ज्ञानवान वैश्विक हिंदू अब वैश्विक जमात में यह सोचते हुए शर्मसार है कि हिंदूशाही के रूप में हम हिंदुओं को कैसी टुच्ची सत्ता प्राप्त हुई। सच्ची बात बताऊं मैं इस महीने हिंदू होने के गर्व में तब गदगद हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नासा के मंगल मिशन में भारतवंशी अमेरिकी वैज्ञानिक स्वाति मोहन पर नाज करते हुए कहा- आप भारतीय

'अद्भुत' हैं। आप, मेरी उप राष्ट्रपति, मेरे स्पीच राइटर सभी भारतीय मूल के हैं। भारतीय-अमेरिकी देश का भार उठा रहे हैं। गौरतलब है कि उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और राष्ट्रपति का भाषण लिखने वाले विनय रेड्डी सहित भारतीय मूल के कोई 18-20 लोग बाइडेन प्रशासन चलाते हुए हैं। वह है सच्चा विश्व गुरू होना! और भारत के भीतर? वह हिंदूशाही, जिसके ग्रहण में 21 साल की एक्टिविस्ट लड़की दिशा रवि या स्वतंत्र मिजाजी अभिनेत्री 33 साला तापसी पन्नू या 55 साला विचारवान लिक्खाड़ प्रताप भानु मेहता के साथ वह टुच्चा व्यवहार, जिसकी खबर यदि औरंगजेब तक पहुंचे तो वह भी शर्मसार हो जाए यह सोचते हुए कि मेरे तख्त के मौजूदा उत्तराधिकारी का उफ ऐसा राज! मैं औरंगजेब का उदाहरण जान बूझकर इसलिए दे रहा हूं ताकि उन भक्त हिंदुओं के दिमाग पर यह हथौड़ा चले कि मुगलों ने भी हिंदू गुरूओं को गुरूकुल चलाने दिए। हिंदू धर्म-संस्कृति की ज्ञान गंगा को अवरूद्ध नहीं होने दिया। उनके हजार साला तलवार राज के बावजूद कलम और बुद्धि के संरक्षक गुरूओं को पकड़-पकड़ कर उनसे कुरान का रट्टा नहीं लगवाया! उनकी रोजी-रोटी बंद नही करवाई। जबकि 21वीं सदी के आज के भारत की क्या हकीकत है? पिछले पौने सात साल की हकीकत का कटु सत्य है जो नरेंद्र मोदी ने अखबार मालकिन को बुला कर संपादक हटवाया। अपने कोतवालों, ईडी-सीबीआई-आय कर जैसी थानेदार संस्थाओं से बीस-तीस साल के लड़के-लड़कियों को जेल में डाला और कब्र में टांग लटकाए विचारवान मगर एक्टिविस्ट बूढ़ों को जेल में सड़वा रहे हैं तो कुलपति-प्रोफेसर को प्राइवेट विश्विद्यालय से भी नौकरी से हटवाते हुए! एक तरफ अमेरिका की आजादी में हिंदू दिमाग ज्ञान-विज्ञान की गंगोत्री के बुद्धि बल से मंगल ग्रह पर रोवर उतरवाता हुआ! दुनिया के सर्वाधिक सभ्य, लोकतांत्रिक और नंबर एक महाशक्ति के संचालन में अद्भुत योगदान देता हुआ तो दूसरी तरफ दिल्ली तख्त की हिंदूशाही हर तरह से हिंदू के दिमाग को डराने, कुंद, मूर्ख, गुलाम, भक्त बनवाने में जुटी हुई। और छोटी-टुच्ची हरकतें करते हुए दुनिया के कोने-कोने में यह चर्चा करवे रही है कि भारत में लोकतंत्र नहीं आंशिक लोकतंत्र है और हिंदू ऐसे ही हैं!

हां, नरेंद्र मोदी यह नहीं बूझ सकते कि उन्होंने सात सालों में अमेरिका के राष्ट्रपति, वहां की संसद, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री वहां की संसद, जर्मनी-फ्रांस याकि यूरोपीय संघ के सभी देशों के राष्ट्रपति-चांसलर-प्रधानमंत्रियों और ऑस्ट्रेलिया-जापान याकि दुनिया के सभ्य-लोकतंत्रवादियों-बुद्धिमना नस्लों के बीच अपने आपको क्या बना डाला है। विदेश मंत्री जयशंकर कितनी ही मेहनत करें, नरेंद्र मोदी को कितना ही गुमराह करें उन्हें अगली जी-20 बैठक या इन नेताओं से बातचीत में वह मान-सम्मान, वह इज्जत नहीं मिलनी है, जो शुरूआत के दो-तीन सालों में झलकती थी। यही अपने लिए, भारत के भविष्य, सामरिक रणनीति, देशहित की कसौटियों में सर्वाधिक चिंताजनक बात है। जिस पर मैंने कल लिखा भी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने को पुतिन, शी जिनफिंग जैसे उन नेताओं की कैटेगरी वाला राष्ट्रीय नेता बना लिया है, जिससे लंदन, वाशिंगटन, मेलबर्न, पेरिस, ब्रसेल्स में पब्लिक-मीडिया परसेप्शन में भारत तेजी से रूस, चीन, उत्तर कोरिया, तुर्की जैसे देश की इमेज पाता जा रहा है! जबकि अमेरिका, यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया सब चीन, रूस की चिंता में भारत को आगे बढ़ाना अपने- राष्ट्र हित में, विश्व हित में जरूरी मानते हैं। इसलिए यह तो तय है कि ये सब नेता नरेंद्र मोदी से बात कर 'अद्भुत भारतीयों' व भारत को सामरिक साझेदार माने रहेंगे लेकिन बावजूद इसके पश्चिम के इन नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर वह भाव होगा ही नहीं जो कभी डॉ. मनमोहन सिंह का था और शुरूआत के सालों में नरेंद्र मोदी पर भी ओबामा, ओलांद, कैमरन, एबे में था।

भगवान के घर में भेद-भाव कैसा?

ताजा खबर यह है कि उत्तराखंड के सभी मंदिरों में अब यह प्रतिबंध लगेगा कि उनमें कोई मुसलमान नहीं जा सकता। क्यों नहीं जा सकता ? इसके उत्तर में हिंदू युवावाहिनी के लोगों का अपना तर्क है। वे कहते हैं कि इन मंदिरों में पहुंचकर मुसलमान लड़के हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। यदि सचमुच ऐसा होता है तो यह बहुत बुरा है लेकिन इनसे कोई पूछे कि क्या यही काम अन्य स्थानों पर नहीं होता होगा? यदि होता है तो देश के स्कूलों-कालेजों, मोहल्लों, बाजारों, अस्पतालों, सड़कों आदि में हर जगह पर प्रतिबंध की मांग ये लोग क्यों नहीं करते? ये प्रतिबंध हर जगह लगवाइए और आप देश में एक नए पाकिस्तान की नींव डाल दीजिए। लालच, भय और बहका कर की गई कोई भी शादी अनैतिक है, वह हिंदू से मुसलमान की हो या मुसलमान से हिंदू की ! मैं

अंतधार्मिक, अन्तजार्तीय, अंतरप्रांतीय और अंतर्वर्गीय शादियों का सदा स्वागत करता हूं क्योंकि वे भारत की एकता और सहिष्णुता को बलवान बनाएंगी। देश की कोई भी मस्जिद हो, मंदिर हो, गिरजा हो, गुरुद्वारा हो, साइनेगॉग हो– वहां सबको जाने की अनुमति क्यों नहीं होनी चाहिए? यदि धर्म-स्थल भगवान के घर हैं तो वहां भेद-भाव कैसा? यदि आप भेद-भाव करते हैं तो यह साफ है कि आपने भगवान के घर को अपना घर बना लिया है। यदि ईश्वर एक है तो सभी मनुष्य उसी एक ईश्वर के बच्चे है। मैं न तो मूर्ति-पूजा करता हूं, न नमाज पढ़ता हूं और न ही बाइबिल की आयतें लेकिन मुझे देश और दुनिया के मंदिरों, मस्जिदों, गिरजों, गुरुद्वारों और साइनेगागों में जाना बहुत अच्छा लगता है। वहां मुझे बहुत शांति, भव्यता और पवित्रता का अनुभव होता है। मुझे आज तक ताशकंद, काबुल, तेहरान, ढाका, अबू धाबी, लाहौर, पेशावर आदि की मस्जिदों में जाने से किसी ने कभी नहीं रोका; रोम, पेरिस और वाशिंगटन के गिरजाघरों में मेरे भाषण भी कई बार हुए। लंदन के साइनेगॉग में अपने यहूदी मित्रों के साथ भी मैं उनकी प्रार्थना में शामिल हुआ। मैं तो भगवान से बड़ा इंसान को मानता हूं। सभी इंसानों की खुशी और भला ही सबसे बड़ा धर्म है। सारे धर्म और धर्मग्रंथ ईश्वरकृत हैं, इसमें भी मुझे संदेह होने लगा है लेकिन इनका आदर इसलिए जरुरी है कि इनके माननेवालों के लिए आपके दिल में प्रेम और सम्मान है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
24 मार्च, 2021

एंटीलिया केस: एनआईए को सचिन वझे की सीक्रेट डायरी में पैसों के लेन-देन के सबूत मिले

धमकी वाले लेटर का प्रिंटर भी जब्त

संवाददाता

मुंबई। एंटीलिया विस्फोटक केस की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सचिन वझे के पास से एक सीक्रेट डायरी बरामद हुई है। इस डायरी को वझे ने सीआईयू के ऑफिस में छिपा कर रखा था। सूत्रों के मुताबिक, तकनीक का माहिर होने के बावजूद वझे सीक्रेट बातों का का ऑनलाइन रिकॉर्ड नहीं रखता था, बल्कि डायरी में दर्ज करता था। यह डायरी ऑफिस में छिपाकर रखी थी। सूत्रों के मुताबिक, इस डायरी में पैसों के लेन-देन

के भी सबूत मिले हैं। इनमें से ज्यादातर कैश ट्रांसफर के हैं। इसी मामले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एनआईए ने कलवा में गिरफ्तार कांस्टेबल विनायक शिंदे के फ्लैट से एक प्रिंटर जब्त किया है। एनआईए को शक है कि इसी प्रिंटर से स्कॉर्पियो से बरामद धमकी वाले लेटर को प्रिंट किया गया था। उस लेटर में लिखा था, 'प्रिय नीता भाभी और मुकेश भैया और परिवार, यह सिर्फ एक ट्रेलर है। अगली बार, आपके परिवार के पास उड़ान भरने के लिए पर्याप्त सामान होगा। सावधान रहें।'

एनआईए 25 मार्च से पहले इस केस का खुलासा कर सकती है

इस बीच यह जानकारी सामने आ रही है कि एंटीलिया केस जल्द सुलझ सकता है। एनआईएको इस केस से जुड़ कई महत्वपूर्ण सबूत मिल चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, सचिन वझे ने अपना गुनाह भी कबूल कर लिया है, लेकिन एनआईए कुछ और पुख्ता सबूत तलाश रही है। वझे की पुलिस कस्टडी 25 मार्च को खत्म हो रही है। माना जा रहा है कि एनआईए इस केस का खुलासा इससे पहले कर देगी।

एटीएस जल्द एनआईए को सौपेंगी सभी दस्तावेज

एनआईए ने एंटीलिया केस के बाद अब मनसुख हिरेन की हत्या का मामला भी अपने हाथ में ले लिया है। एनआईए इस मामले से जुड़े दस्तावेज एनआईए को सौंप सकती है। हालांकि, एटीएस ने इस केस को क्रैक कर लिया है। इसलिए एनआईए को इस केस में ज्यादा कुछ नहीं करना है। आज मनसुख की मौत के मामले में महाराष्ट्र एनआईए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकती है।

विदेशी तकनीक से लौटेंगे मीठी नदी के अच्छे दिन, नीदरलैंड और स्विडन से मंगाई गईं मशीनें

मुंबई। महानगर के बीचोंबीच बहने वाली मीठी नदी के जल्द ही अच्छे दिन लौट सकते हैं। नदी की सफाई के लिए बीएमसी अब विदेशी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करेगी। इसके लिए नीदरलैंड से तक टक्शर एफ्मिबिअस मशीन और स्विडन से सिल्ट पुशर मशीन आएगी। टक्शर मशीन नदी में कचरे की सफाई करेगी, जबकि सिल्ट पुशर मशीन नदी में कोने-कोने की साफ-सफाई करेगी। बीएमसी को उम्मीद है कि इन मशीनों से साफ-सफाई के बाद भारी बारिश में भी मीठी नदी का पानी आसपास के इलाकों में नहीं घुसेगा। नीदरलैंड व स्विडन से आई दोनों मशीनों का सफल प्रयोग केरल में हो चुका है। इसलिए इन मशीनों का नदी की सफाई में इस्तेमाल करना ठेकेदारों के लिए अनिवार्य किया गया है। अतिरिक्त आयुक्त पी वेलरासू ने कहा कि इस वर्ष ठेकेदारों को मीठी नदी का दोगुना कचरा निकालने का आदेश दिया गया है। नदी से निकाले गए कचरे

के आधार पर ही ठेकेदार को बिल पेमेंट किया जाएगा। बता दें कि वर्ष 2005 में हुई भारी बारिश के बाद मीठी नदी का पानी आसपास के इलाकों घुस गया था। जिससे काफी नुकसान हुआ था। उसके बाद बीएमसी ने एक कमेटी का गठन किया था। उस कमेटी ने मीठी नदी की साफ-सफाई एवं सुरक्षा दीवार बनाने का सुझाव दिया था। वह काम अब भी जारी है। अब बीएमसी ने विदेश से मशीन मंगवाकर मीठी नदी की साफ-सफाई का फैसला किया है। मीठी नदी में नीचे काफी कचरा जमा है, जब बारिश होती है तो नदी उफान पर आ जाती है और पानी सड़कों पर एवं लोगों के घरों में घुस जाता है। राज्य के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने निर्देश पर बीएमसी नदी के आसपास रहने वालों को बाढ़ से छुटकारा दिलाने के लिए कोशिश कर रही है। पूर्वी उपनगर में 17. 80 किलोमीटर बहनेवाली यह नदी आरे कॉलोनी, कुर्ला, बांद्रा से होते हुए माहिम खाड़ी के पास समुद्र में मिलती है। इस नदी का सबसे ज्यादा हिस्सा पूर्वी उपनगर में है। बारिश के समय सबसे ज्यादा इसी एरिया के लोग प्रभावित भी होते हैं। बीएमसी हर साल मॉनसून से पहले 10 अप्रैल से नालों की सफाई शुरू करती है। पिछले मॉनसून में जिस तरह से मुंबई में जगह-जगह पानी लगा था, उसको देखते हुए बीएमसी ने इस बार एक महीने पहले ही नालों की सफाई शुरू कर दी है। मुंबई में अब तक 6 प्रतिशत नालों की सफाई हो चुकी है।

छात्रों की खिचड़ी पर 221 करोड़ खर्च करेगी बीएमसी

मुंबई। बीएमसी स्कूलों में पढ़ने वाले पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को पोषण आहार यानी खिचड़ी उपलब्ध कराई जाएगी। इस पर बीएमसी अगले तीन सालों में 221 करोड़ रुपये खर्च करेगी। स्कूलों में खिचड़ी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव बुधवार को स्थायी समिति की बैठक में पेश किया जाएगा। विपक्षी कांग्रेस ने इस प्रस्ताव का विरोध करने का फैसला किया है। बीएमसी प्रशासन ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उसके मुताबिक खिचड़ी खाने से विषबाधा होने पर ठेका रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही संस्था के खिलाफ फौजदारी का मामला दर्ज कराया जाएगा। इस दौरान उपचार पर जो खर्च आएगा, उसे संबंधित संस्था से भरवाया जाएगा। स्कूलों के विद्यार्थियों को पोषण आहार के रूप में खिचड़ी उपलब्ध कराने के लिए बीएमसी ने विभिन्न संस्थाओं से 14 क्षेत्रों के लिए टेंडर मंगाया था। संस्थाओं के पास उपलब्ध साधन व गुणवत्ता के आधार पर बीएमसी ने तीन साल के लिए 77 संस्थाओं को ठेका देने का निर्णय लिया है। इसके लिए 221.54 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस तरह का प्रस्ताव स्थायी समिति में बुधवार को मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। प्रस्ताव के मुताबिक सप्ताह में एक दिन पूरक आहार के रूप में लड्डू, चिक्की व फल संस्थाओं को अपने खर्च पर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराना होगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र पुलिस में बड़ा फेरबदल

जिन अजय सावंत ने डॉन रवि पुजारी को गिरफ्तार किया था, जिन सचिन कदम ने डॉन एजाज लकड़ावाला को पकड़ा था, जिन नंद कुमार गोपाले ने आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग केस सॉल्व किया था, उन सबको लोकल पुलिस स्टेशन या साइड पोस्टिंग पर भेज दिया गया है। ट्रांसफर किए गए अधिकारियों में कई टेटर केस सॉल्व कर चुके निनाद सावंज और यूनिट वन के सीनियर इंस्पेक्टर चिमाजी अढ़ाव का नाम प्रमुख है। सचिन वझे से पहले जो विनय घोरपडे सीआईयू के प्रभारी थे और फिलहाल एमआईडीसी क्राइम ब्रांच में थे, उनका भी पुलिस स्टेशन में तबादला कर दिया गया है। सचिन वझे प्रकरण से क्राइम ब्रांच बहुत बदनाम हुई थी। वझे क्राइम ब्रांच की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट (सीआईयू) के प्रभारी थे लेकिन जिन अधिकारियों का मंगलवार को ट्रांसफर किया गया, उन्हें मुंबई पुलिस के बेहतरीन डिटेक्शन अधिकारियों में गिना जाता है। इन तबादलों से निश्चित तौर पर एक नया विवाद शुरू होगा।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 30 अप्रैल तक बढ़ाया गया

दिल्ली में सार्वजनिक स्थानों पर होली, शब-ए-बारात और नवरात्रि मनाने पर रोक लगा दी गई है। इस आदेश के तहत, त्योहारों के दौरान दिल्ली में किसी भी सार्वजनिक स्थान, पब्लिक ग्राउंड, पब्लिक पार्क मार्केट या धार्मिक स्थान में त्योहारों के दौरान सार्वजनिक उत्सव, लोगों के इकट्ठा होने और जलसा मनाने पर पाबंदी रहेगी। सभी जिला मजिस्ट्रेट और जिलो के डीसीपी को आदेश को लागू करवाने के निर्देश दिए गए। देश में महाराष्ट्र का हाल सबसे बुरा है। दुनिया में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित 10 देशों के बाद महाराष्ट्र का ही नंबर आता है। राज्य में अब तक 25.04 लाख लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और यह देश का सबसे संक्रमित राज्य है। राज्य में पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 28,699 पॉजिटिव केस सामने आए हैं और 132 लोगों की मौत हुई है। यह इस साल राज्य में संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। बढ़ते मामलों की वजह से परभणी जिले में 24 मार्च से 31 मार्च तक एक बार फिर से लॉकडाउन लगाने का फैसला किया गया है। कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर गृह मंत्रालय ने प्रभावी नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। यह 1 अप्रैल से प्रभावी होगा और 30 अप्रैल 2021 तक लागू रहेगा। इसमें सभी राज्यों से टेस्ट, ट्रैकिंग और ट्रीट प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया है। केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन के मुताबिक, राज्य सरकारें अपने हिसाब से राज्यों में प्रतिबंध लागू कर सकेंगी, लेकिन कोविड कंटेनमेंट जोन के बाहर किसी गतिविधि पर कोई पाबंदी नहीं लगाया जाएगा। इसमें कहा गया कि जिन राज्यों में आरटीपीसीआर टेस्ट का अनुपात कम है, उन्हें तेजी से बढ़ाकर 70% या उससे अधिक कर देना चाहिए। नए पॉजिटिव मामलों को समय पर इलाज और क्वारंटीन करने की जरूरत है। इसमें कहा गया कि कोरोना के पॉजिटिव मामलों और उनके संपर्कों की ट्रैकिंग के आधार पर जिला अधिकारियों को कंटेंट जोन को चिन्हित करना होगा और उन्हें वेबसाइटों पर सूचित करना होगा।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संघठन की कार्यशाला का हुआ आयोजन

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान जी को दिल्ली में नेशनल ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से आवार्ड देकर किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। राज्य मंत्री उत्तरप्रदेश सरकार ठाकुर रघुराज सिंह के हाथों दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान जी को दिल्ली में नेशनल ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से आवार्ड देकर किया गया सम्मानित। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय मानवाधिकार संघठन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यशाला का आयोजन रेडिसन ब्लू कौशाम्बी एनसीआर गाजियाबाद में आयोजित किया गया। राज्य मंत्री उत्तरप्रदेश सरकार ठाकुर रघुराज सिंह, नेशनल चेयरमैन ऑफ आल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ एस सी एवं एसटी ऑर्गनाइजेशन एन्ड पूर्व मेंबर ऑफ पार्लियामेंट एवं नेशनल स्पोकपर्सन ऑफ एआईसीसी एवं पूर्व आईआरएस अधिकारी एवं जे एन यू एलुमनी एक्स एम.पी. डॉ. उदित राज, निदेशक एवं सयुक्त सचिव योजना विभाग आर्थिकी एवं सांख्यिकी निदेशालय राजस्थान सरकार डॉ ओम प्रकाश बैरवा भाग लिया गणमान्य अतिथियों के रूप में।

(शेष समाचार पृष्ठ 6 पर....)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

बेमौसम बारिश से खराब हुई फसल का तुरंत पंचनाम किया जाना चाहिए : डॉ .राजेंद्र शिंगणे

बुलडाणा। पिछले दो दिनों में जिले के विभिन्न हिस्सों मेंतुफानी मूसलाधार बारिश के साथ ओला वृष्टी से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इनमें रबी और ताजी रोपित ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती शामिल है। होने वाले नुकसान का तुरंत पंचनामा कर के के सरकार को रिपोर्ट सौंपी जानी चाहिए।इस तरह के आदेश जिला के पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने जिला प्रशासन को दिए हैं। जिले मे 19 और 20 मार्च को बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के साथ तेज हवाओं ने जिले के कई हिस्सों को तबाह कर दिया। जिले मे मुख्य रूप से गेहूं, प्याज के बीज, फल और सबज़ियों का बडे पैमाने पर नुकसान हुवा है। जो किसान पहले से ही परेशानी में थे, ईस बे मौसमी बारिश ने फिर से मुसीबत में डाल दिया है। इसलिए, जिला प्रशासन को तुरंत किसानों के खेत पर जाना चाहिए और सभी प्रकार के नुकसान का पंचनामा करने के जल्द से जल्द सरकार को एक रिपोर्ट सौंपनी चाहिए, इस तरह का आदेश पालक मंत्री ने दिया है। जैसे ही सरकार को रिपोर्ट सौंपी जाएगी, सरकार प्रभावित किसानों को उचित वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इसलिए, किसानों को धैर्य नहीं खोना चाहिए, सरकार उनके साथ खड़ी है, ऐसी अपील खाद्य और औषधि प्रशासन मंत्री और जिले के पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने की है।

स्वाभिमानी शेतकारी संगठन का मोतळा तहसील कार्यालय पर ठीय्या आंदोलन

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। विदर्भ के कार्यकारी अध्यक्ष राणा चंदन और युवा नेता राजेश गवई ईन के नेतृत्व में आज मोताळा तहसील कार्यालय में आंदोलन किया।पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मोतला तालुका के किसान बुरी तरह प्रभावित हुए है। इस नुकसान पर प्रशासन में देरी के कारण पंचनामा नहीं हो रहा है इस के ध्यान दिलाने के लिए स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को आड़े हाथों लिया और तहसील के परिसर में आक्रामकता आंदोलन किया। जब तक कि तहसीलदार मोतला में पंचनामा का आदेश जारी नहीं कर देते तब तक यहां से नहीं उठेंगे ऐसी चेतावनी देने के तुरंत बाद, तहेसीलदार ने एक लिखित आदेश दिया। ईस अवसर पर मुख्य रूप से विदर्भ कार्याध्यक्ष राणा चंदन , महेंद्र जाधव, शे रफिक शे करीम, राजेश गवई , मारोती मेढे, राजू पन्हाळकर, बाबुराव सोनोन, चंदू गायकवाड, गजानन गवळी, राजू शिंदि, संदीप गोरे, विजय बोराडे, निखिल पाटील, भागवत धोरण गजानन तायडे , नदिम खान शे.शब्बीर, नारायण तायडे, नाजीम मिस्त्री, धम्मदीप वानखेडे, मनोहर उमाळे, वैभव शिरसाट, राजू सुरडकर, वास देव मेढे, शुभम मेढे, नामदेव बोरकर, गोपाल मिरगे अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

सर्वसमाज के युवाओं एवं महिलाओं ने रक्तदान कर दी शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। देश को आजाद करवाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह को 23 मार्च 1931 को उनके दो साथी सुखदेव सिंह और राजगुरु के साथ फांसी लगाई गई थी। शहीद भगतसिंह की याद में हर साल 23 मार्च के दिन शहीद दिवस मनाया जाता है। टीम फिक-ए-मिल्लत ब्लड हेल्पलाइन सोसायटी बीकानेर द्वारा सर्वसमाज के सानिध्य में आज 23 मार्च 2021 शहीद दिवस के अवसर पर सर्वसमाज का ऐतिहासिक रक्तदान शिविर लगाकर 801 यूनिट रक्तदान करवाकर शहीदो को सच्ची खिराज ए अकीदत पेश की गई। टीम फिक्र-ए-मिल्लत के अध्यक्ष समीर अहमद (रफ्तार खान) ने बताया कि संस्था अपने वजूद में आने के बाद लगातार जरूरतमन्दों की मदद के लिए अग्रणी रही है। इसके अलावा आज शहीद दिवस के मौके पर 801 यूनिट रक्त संग्रह कर राजकीय रक्तकोष पीबीएम, जीवन ज्योति ब्लड बैंक (कोठारी हॉस्पिटल) एवं रामपाल ब्लड बैंक, जयपुर को दिया गया। फिक्र ए मिल्लत ब्लड हेल्पलाइन सोसाइटी द्वारा आयोजित शहीद दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर में बीकानेर शहर के कई समाजसेवियों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया जिसमें मुस्लिम छिंपा समाज के हाजी युनुस एवं - हाजी महबूब की तरफ से रक्तदाताओं हेतु सम्मान प्रतीक (मोमेंटो) उपलब्ध करवाए गये। इसी क्रम में जगत फार्मा कंपनी बेंगलोर के प्रेजिन्टेटिव याकुब खान ने रक्तदाताओं के लिए 500 एनर्जी ड्रिंक उपलब्ध करवाए। फिक्र ए मिल्लत ब्लड हेल्पलाइन सोसायटी के उपाध्यक्ष अब्दुल कदीर गौरी ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बीकानेर शहर की प्रथम नागरिक नगरनिगम महापौर सुशीला कँवर राजपुरोहित, भाजपा नेता गुमानसिंह राजपुरोहित, श्रीमती राजकंवर पत्नी सर्वगीय आनंदपाल सिंह सांवराद, पूर्व लोकसभा प्रत्यासी मदन गोपाल मेघवाल, समाजसेवी अनारदीन हाजी छोटू खान,गोटन पूर्व यूआईटी चेयरमैन, महावीर रांका, समाजसेवी इकबाल समेजा,पूर्व उप महापौर हारून जी राठौड़, कांग्रेस नेता अब्दुल मजीद खोखर, जियाउर्रहमान आरीफ कांग्रेस नेता पूर्व यूआईटी चेयरमेन, एवं पूर्व महापौर मकसूद अहमद, उमर दराज यू डी, डॉ. अबरार पँवार, पीबीएम नर्सिंग प्रिंसिपल डॉ. अब्दुल वहीद डॉ. हैदर अली जुनेजा, पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन, कर्मचारी नेता महेंद्र देवड़ा, कांग्रेस नेता सलीम भाटी, पार्षद जावेद खान,पार्षद नंदलाल जावा, अकबर खादी पार्षद प्रतिनिधि, पार्षद रमजान कच्छावा, अय्यूब अली कायमखानी, पार्षद आनंद सिंह सोढा, पार्षद प्रफुल्ल हटिला, पार्षद प्रतिनिधि ताहिर हुसैन कादरी, पार्षद वसीम फिरोज अब्बासी, पार्षद महेंद्र सिंह बड़गुजर, जामसर सरपंच इमरान शाह, वसीम कल्लर, पार्षद मुजाहिद हुसैन कुरेशी, पार्षद रफीक खान, पार्षद एडवोकेट सुशील कुमार सुथार,पार्षद सुनील गेधर, पार्षद अब्दुल वहीद (बब्लू) यूथ कांग्रेस अध्यक्ष फरमान कोहरी, मोंटू सोढा, साजिद भुट्टो, व फिक्र ए मिल्लत ब्लड हेल्पलाइन के ख्वाजा हसन, एडवोकेट राकेश खान बरकत अली रँगरेज, अबरार रोशन, एडवोकेट हैदर मोलानी, अबरार कायमखानी, शाहिद खान कायमखानी,डॉ. रिजवान रँगरेज, बंटी गौरी, सेम खान, अनीस उस्ता, तौफीक उस्ता, सलमान पँवार,बब्लू खान, अकबर शेख, आदिल रहमान,साबीर राव,अविनाश जनागल, यूनुस रँगरेज, रहीम चड़वा, ताहिर हुसैन, अब्दुल सत्तार, राजकुमार खड़गावत, समीर खान, बिलाल खोखर व बीकानेर हेल्पिंग हैंड्स सदस्य रोशन खान, माणक सोनी,हिमांशु,समर भाटी, आसिफ गौरी, ईरशाद खान,अजीज खान, अमीर खान, आदि सदस्य मौजूद रहे।

(पृष्ठ 4-5 का शेष समाचार)

राष्ट्रीय मानवाधिकार संघठन की कार्यशाला का हुआ आयोजन

अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि उनका उद्देश्य कोविड के इस विकट काल में मानव के अधिकारों को सामाजिक मापदंडो के अनुरूप हर जरूरतमंद आम जन मानस तक मानव के मूलभूत अधिकारों, सम्मान के प्रति जागरूकता प्रासरित करना है उसी के फलस्वरूप मानवाधिकार कार्यशाला में सेशन चेयर्स के रूप में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया एन सी एल टी एवं एन सी एल ए टी नई दिल्ली एडव्होकेट जयप्रकाश बी सोमानी, डॉ इंद्रजीत घोष ग्लोबल चेयरमैन (NHRO)MSMECCII के ग्लोबल चेयरमैन, कॉमनवेल्थ एंटरप्रेनर्स क्लब के लंदन के ग्लोबल सीनियर वाइस चेयरमैन, लायंस क्लब दिल्ली के चेयरमैन, बोर्ड लायंस क्लब के निदेशक, आईसीएमईई के इंटरनेशनल चैंबर ऑफ मीडिया एंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के चेयरमैन एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट कमेटी हैं।

डॉ एन डी माथुर मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर, डॉ किरण राज, अमृता एस दुदिया माइंड कोच एवं इंस्पिरेशनल स्पीकर, यूथ एक्टिविस्ट ग्लोबल कोच डॉ नयन प्रकाश गाँधी डॉ ऋतु सांगवान चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद मेरठ, इंदिरा डॉ पुष्पा डॉ जयप्रकाश जॉनी हरियाणा डॉ डॉक्टर फरजाना सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के Former Director, Chairman AICBEF सीएम पूरी जी, सौरव जी (Mr India Icon & World's Human Rights Award Winner) Founder Speak India Speak avam Celebrity फैशन डिजाइनर युवा अध्यक्ष दिल्ली एनसीआर, लायंस क्लब दिल्ली गौरव गुप्ता आराधना मालवी मुकेश राजपूत सायं जैन कोशलेंद्र रघुवंशी आदि मानवाधिकार, सामाजिक उपादेयता, कारपोरेट सोशेल रिस्पांसिबिलिटी आदि पर देश के प्रगति एवं सतत विकास एवं मानवाधिकार के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण हुआ। आगे संस्था राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कुमार उपाध्यक्ष डॉ अनिल कुमार छिपा और राष्ट्रीय सचिव रश्मि अग्रवाल बताया की पूरे भारत से देश के विभिन्न राज्यो से पधारे आमंत्रित अतिथियों, अति विशिष्ठ अतिथियों, विशिष्ठ अतिथियों एवं मानव विकास प्रबंधन, मानव विकास सामाजिक विकास, सतत विकास आदि कई सैकड़ो विभिन्न क्षेत्रों उपक्षेत्रों में कार्यरत प्रतिभाओ का सम्मान कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से अति विशिष्ठ आमंत्रित अतिथियों में ललीता चौधरी (वरिष्ठ एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट), संजय गुप्ता (तिहाड़ जेल अधीक्षक), कुलदीप सिंह ठाकुर (विशेष निवासी आयुक्त- अंडमान व निकोबार प्रशासन), असंख्य युवाओं की आवाज अभिजीत राणे, दिल्ली हाईकोर्ट से राकेश अरोड़ा, लंदन यूके एस्पिरेन्ट मिस फरीन सोमानी, डॉ अशोक पांडेय, डॉ सोमा मुखर्जी, रितिका शाह, डॉ विवेकानंद, शीला शर्मा समाजसेवक, एम ए मुर्तजा, प्रसिद्ध संगीतकार सोनाली राठौर, रीवा राठौर, रूप कुमार राठौड़, नेहरू युवा केंद्र के राधेश्याम गुरुजी, अनु धीर सेलेब्रीटी सोमा मुखर्जी, डॉ संगीता आहूजा, डॉ नेन्सी जुनेजा, अर्जुन मिश्रा, इंद्रजीत घोष, लॉयन्स क्लब वेज दिल्ली के चार्टर प्रेसीडेंट गौरव गुप्ता, एसएमई बिज के सीईओ जितेंद्र चावला, मिनिस्ट्री ऑफ सोशेल जस्टिस से कंसलटेंट श्रीमती प्रतिभा, ओम कोठारी शेक्षणिक ग्रुप से डॉ. अमित सिंह, पदम श्री. डॉ राजगोपालन वासुदेवन, होवर रोबोटिक्स के फाउंडर एवं मेंटोर एक्स के जनक डॉ मुनीष जिंदल, नेशनल वीमेन एक्टिविस्ट डॉ हेमलता गांधी, सीएम पूरी, डॉ अमोद शर्मा, शंकरी बाला, प्रज्ञा श्रीवास्तव, डॉ फरजाना, डॉ मनीष कुमार, डॉ शरीफ मेमन, अनिता यादव, डॉ भारत चौबे, प्रो.नयन रंजन सिन्हा, हेमन्त जयमन, गिरिराज शुक्ला, प्रशांत रॉय, डॉ सन्तोष तिवारी, डॉ सी पी भारद्वाज, डॉ राजीव कुमार मिशन पंख के धर्मेंद्र जी सेंट्रल इंडिया प्रेस के डॉक्टर आनंद जी एनडीटीवी की हिमांशु जी डॉ जयप्रकाश जी पप्पू ठाकुर और भी प्रसिद्ध विद्वान सभी 27 राज्य से उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ओरल कैंसर

कुछ आदतों को करें कंट्रोल

लोगों में तंबाकू के बढ़ते प्रयोग के कारण भी मुंह, सिर और गले के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। इसके लक्षणों की पहचान इसके शुरूआती चरण में ही कर ली जाए तो समय रहते बचाव संभव है।

ये हैं ओरल कैंसर के लक्षण

- होंठ, मसूड़े और मुंह के अन्य हिस्सों में जख्म, गांठ या अल्सर होना
- निगलने, चबाने या बोलने में परेशानी महसूस होना
- माउथ सोर्स
- जीभ में दर्द होना
- मुंह से अचानक खून निकलना

ओरल कैंसर के लिए ये होती है खतरे की बात

तंबाकू से तैयार होने वाले कोई भी उत्पाद, अल्कोहल का अत्यधिक प्रयोग, सूर्य की रोशनी के अत्यधिक संपर्क में रहना। ऐसा माना जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ ओरल कैंसर का खतरा भी बढ़ता जाता है।

इस प्रकार करें बचाव

तंबाकू का सेवन न करें : जो लोग तंबाकू को पीने या खाने के रूप में प्रयोग करते हैं, वे तुरंत इसे बंद कर दें ताकि जख्म होने के खतरे से बच सकें। यदि किसी ने तंबाकू कभी नहीं लिया है तो उसे ऐसा करने का प्रयास करना भी नहीं चाहिए क्योंकि तंबाकू किसी भी रूप में सेहत के लिए खतरनाक होता है और अधिकांश मामलों में ओरल कैंसर का कारण भी।

अधिक मात्रा में न लें अल्कोहल : जो लोग अत्यधिक मात्रा में अल्कोहल का सेवन करते हैं उन्हें इसकी मात्रा धीरे-धीरे सीमित कर बंद कर देना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार शराब न पीने वालों की तुलना में शराब पीने वालों में ओरल कैंसर का खतरा छह गुना अधिक होता है।

लंबे समय तक धूप में रहने से बचें: धूप में काफी देर तक रहने वालों को होंठ पर कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। जब भी घर से बाहर निकलें हमेशा यूवी किरणों को ब्लॉक करने वाले लिप बाम या लिप ग्लॉस का प्रयोग करें।

मुंह की करें सही देखभाल: इस बात का ध्यान रखें कि आप अपने दांतों को नियमित रूप से साफ करें और फ्लॉसिंग करना न भूलें। मुंह की साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखने पर कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, कैंसरकारी सेल्स से लड़ना मुश्किल हो जाता है।

फल और सब्जियां करें भोजन में शामिल: ढेर सारी सब्जियां और फलों को अपने रोजाना के भोजन में शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट ओरल कैंसर के खतरे को कम करने का काम करते हैं।

आंखों को रोशन करता है विटामिन ए

विटामिन ए फैट सॉल्यूबल विटामिन है और 13 आवश्यक विटामिनों में से एक है। आंखों से जुड़ी कई सारी कार्यप्रणालियों के सही संचालन के लिए विटामिन ए आवश्यक होता है, जिसमें कलर विजन और लो लाइट विजन शामिल हैं। इम्यूनिटी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए भी यह विटामिन आवश्यक होता है। ऐसे में इसकी कमी से कई सारी शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव पड़ता है, जिसकी पूर्ति इस विटामिन से खाद्य पदार्थों के जरिए की जा सकती है।

डाइट से कर सकते हैं पूर्ति

विटामिन ए डिफिशिएंसी की हल्की समस्या में विटामिन ए से भरपूर खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने से मदद मिल सकती है। ऐसे खाद्य पदार्थों में शामिल हैं :

- गाजर, पालक, शकरकंद, शिमला मिर्च
- राजमा, हरी पत्तेदार सब्जियां
- यदि आपको लगता है कि भोजन द्वारा इसके लक्षणों पर फर्क नहीं पड़ रहा तो तुरंत ही डॉक्टर की सलाह लें।

ओवरडोज की स्थिति

विटामिन ए की अधिकता होने पर विटामिन सी, ई और के की कमी होने लगती है। अत्यधिक मात्रा में विटामिन ए होने पर उसके लक्षण 6 घंटे के अंदर ही नजर आने लगते हैं और सप्लीमेंट बंद करने के कुछ हफ्तों के बाद ही ये लक्षण चले जाते है। वयस्कों की तुलना में बच्चे विटामिन ए के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इसलिए विटामिन ए के सप्लीमेंट को बच्चों की पहुंच से दूर रखें। विटामिन ए डिफिशिएंसी से कई सारी समस्याएं उभरकर सामने आने लगती हैं और साथ ही इसकी अधिकता भी शरीर में टॉक्सीसिटी पैदा करती है।

ये लक्षण भी हैं

- खाने में स्वाद महसूस न होना
- घाव भरने में समय लगना
- आंखों के कॉर्नर में सफेद धब्बे हो जाना
- आंखों से जुड़ी अन्य समस्याएं जैसे कंजंक्टिवाइटिस
- ड्राय स्किन, सूखे, बेजान बाल
- टूटते नाखून कमजोर इम्यून सिस्टम

विटामिन ए डिफिशिएंसी के प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं

रतौंधी : विटामिन ए की कमी के सबसे प्रमुख लक्षण रतौंधी या आंखों की कम रोशनी के रूप में नजर आते हैं। रतौंधी की समस्या में कम रोशनी की स्थिति में व्यक्ति देख नहीं पाता। लेकिन सामान्य रोशनी में चीजों को स्पष्ट देख सकता है।

ड्राय आइज : विटामिन ए डिफिशिएंसी की स्थिति में क्रॉनिक ड्राय आइज की समस्या होती है। इसमें आंसुओं का निर्माण नहीं होता, आंखों में चुभन और खुजली जैसी महसूस होती है। आंखों की पुतलियां भी कड़ी महसूस होती हैं। वैसे यह स्थिति कई अन्य कारणों से भी हो सकती है।

कॉर्निया डिसऑर्डर और ब्लाइंडनेस : विटामिन ए की गंभीर कमी के कारण कॉर्निया का रंग सफेद होने लगता है और अंधेपन की नौबत आ जाती है। ऐसा लंबे समय तक विटामिन ए की कमी के कारण होता है।

खाने में विविधता : विटामिन ए की जरूरत को पूरा करने का सबसे आसान तरीका है कि विविध प्रकार के खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करें। इससे पोषण की पूर्ति बड़े पैमाने पर हो पाएगी। नियमित रूप से विभिन्न रंगों वाली सब्जियां और फलों का चुनाव करें, इससे विटामिन का सही संतुलन शरीर में हो पाएगा।

खाना बनाते समय काम आएंगी ये टिप्स

ऐसी कुकिंग टिप्स जो आपके खाना बनाने के दौरान काफी काम आएंगी। जानें ये कुकिंग टिप्स :

- सामान्य मौसम में केलों को बाहर रखने से वे ज्यादा पक जाते हैं और जल्दी खराब हो जाते हैं। ऐसे में केलों को फ्रिज में रखिए। फ्रिज में रखने से छिलके काले हो जाते हैं, मगर अंदर केला सुरक्षित रहता है।
- टमाटरों को जल्दी पकाने के लिए उन्हें ब्राउन पेपर बैग में पैक कर किसी डार्क कॉर्नर में रखें। टमाटर जल्दी पक जाएंगे और उनका रंग भी बरकरार रहेगा।
- प्याज को पकाते समय उसमें थोड़ा नमक डाल लें। इससे प्याज जल्द पकेंगे।
- दाल को जल्दी पकाने के लिए उसमें थोड़ा-सा घी, चुटकी भर हल्दी व हींग और जरा-सा नमक व चीनी डालिए, इससे दाल आसानी से पकेगी और उसकी खुशबू भी बरकरार रहेगी।
- पूरियां नरम व फूली हुई बनें इसके लिए आटा गूंथते समय पानी के बदले दूध का उपयोग करें।

सब्जियां पकाने के दौरान जब तक सब्जी गले नहीं तब तक उसमें नमक न डालें। सब्जियों में जल्दी नमक डालने से उनकी न्यूट्रीशनल वैल्यू कम हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'अगर फिल्म के सेट पर साइना नेहवाल मौजूद रहतीं तो होती घबराहट'

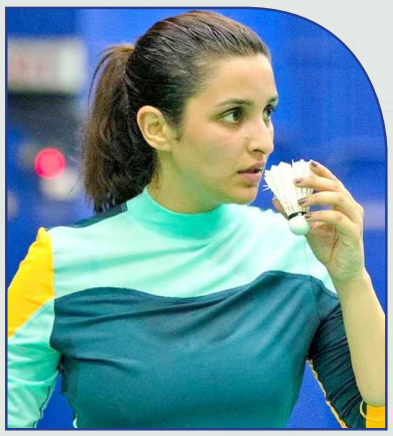

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'साइना' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल का किरदार निभा रही हैं। परिणीति का कहना है कि उन्हें इस बात की खुशी है कि शूटिंग के वक्त सेट पर साइना खुद नहीं बल्कि केवल ट्रेनर ही मौजूद रहे। परिणीति ने कहा, मुझे हैदराबाद में साइना के घर जाकर उनसे मुलाकात करने की बात याद है। उन्होंने मुझसे कहा था, मैंने कभी तुम्हें स्पोर्ट्स खेलते नहीं देखा है। जब हम वापस लौटे तो मुझे पता लग चुका था कि मुझे अपनी ट्रेनिंग पर दोगुना काम करना पड़ेगा क्योंकि किसी ने मुझपर भरोसा किया है कि मैं जिम्मेदारी के साथ इस स्पोर्ट को सही से खेल पाऊंगी। अगर मैं उनके जैसा एक प्रतिशत भी खेल लेती हूं, तो मैं खुद को लकी समझूंगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि सेट पर कोच और ट्रेनर्स के अलावा किसी की मौजूदगी नहीं रही। अगर साइना खुद वहां रहतीं तो मैं नर्वस हो जाती।

जाह्नवी कपूर से फैन ने की किस की डिमांड

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की फिल्म 'रूही' हाल ही में रिलीज हुई हैं। इस फिल्म में जाह्नवी की एक्टिंग की जमकर तारीफ हो रही हैं। वहीं एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में जाह्नवी इंस्टाग्राम पर क्वेश्चन-आसंर के जरिए अपने फैंस से बातचीत की। इस दौरान फैंस ने उनसे उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स से लेकर उनकी निजी जिंदगी से जुड़े सवाल पूछ रहे थे। इसी बीच एक फैन ने उनसे एक अजीब-सी बात पूछ ली। फैन ने लिखा, क्या हम किस कर सकते हैं? जाह्नवी ने भी अनोखे अंदाज में यूजर के सवाल का जवाब देने का मन बनाया। एक्ट्रेस ने किस की डिमांड वाले क्वेश्चन का जवाब देने के लिए मास्क के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। साथ ही लिखा नो यानी नहीं। जाह्नवी का ये अंदाज फैंस को काफी पसंद आया। जाह्नवी ने इसके अलावा कई और इंटरेस्टिंग सवालों के जवाब दिए। एक यूजर ने उनकी डाइट रूटीन के बारे में पूछा। इस पर उन्होंने आइसक्रीम कप अपने हाथ में पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'एक दिन में चार स्कूप।'

पर्दे पर महाभारत के इस योद्धा की भूमिका निभा सकते हैं रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर के पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। वहीं अब अब खबर आ रही है कि वह निर्माता वाशु भगनानी की अगली फिल्म 'सूर्यपुत्र महावीर कर्ण' में नजर आ सकते हैं। हाल ही में इस फिल्म का ऐलान किया गया था। इस ऐलान के साथ ही चर्चा शुरू हो गई थी कि इसमें कर्ण की भूमिका के लिए किस अभिनेता को अप्रोच किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस भूमिका के लिए रणवीर से संपर्क किया गया है। खबरों के मुताबिक, फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए मेकर्स ने रणवीर को अप्रोच किया है। इस फिल्म का निर्देशन आरएस विमल करने वाले हैं। फिल्म में कर्ण के दृष्टिकोण से महाभारत को बड़े पर्दे पर उतारा जाएगा। यह एक बहुभाषी फिल्म होगी जिसकी घोषणा पिछले महीने के टीजर वीडियो के साथ की गई थी। पूजा एंटरटेनमेंट ने इस प्रोजेक्ट को एक नए वर्जन में घोषित किया है। पहले की तुलना में इस प्रोजेक्ट को अलग कास्ट और प्रोडक्शन टीम के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। फिल्म को अच्छे विजुअल इफेक्ट्स के साथ एक बड़े पैमाने पर बनाने की कल्पना की गई है। निर्माताओं का मानना है कि रणवीर इस फिल्म में कर्ण की भूमिका के लिए फिट हैं। खबरों की मानें तो रणवीर ने भी इस प्रोजेक्ट में अपनी दिलचस्पी दिखाई है।